**अध्याय - 6**

# मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक संस्थाएँ, सम्मान और पुरस्कार

मध्यप्रदेश में संस्कृति और कलाओं के संरक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए संस्कृति संचालनालय स्थापित है। मध्यप्रदेश देश में एक मात्र ऐसा राज्य है, जिसने अपनी संस्कृति नीति बनाई है। इस नीति का उद्देश्य है –

- प्रदेश की कलाओं के स्वतन्त्रता और सम्मान के साथ विकास के अवसरों और साधनों में वृद्धि।
- प्रदेश की विशाल सांस्कृतिक परम्परा का संरक्षण।
- जनसाधारण हेतु कलाओं के रसास्वादन के अवसरों का विकास।
- आदिवासी और लोक संस्कृति के प्रमाणिक संरक्षण हेतु विशेष प्रयत्न।
- कला सम्बन्धी संस्थाओं का पुनर्गठन एवं विस्तार तथा कलात्मक गतिविधियों का विकेन्द्रीकरण।
- दुर्लभ शैलियों एवं रूपाकारों को विशेष संरक्षण।

सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए मध्यप्रदेश देश के पहले राज्यों में इसलिए भी गिना जाने लगा है कि यहाँ 'मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्' का गठन पहली बार हुआ है। यह एक स्वशासी संस्था है। इस परिषद् के अन्तर्गत निम्नलिखित अकादमियाँ कार्य कर रही हैं। इनका परिचय इस प्रकार है –

- **साहित्य अकादमी**

  मध्यप्रदेश की साहित्य अकादमी 'मध्यप्रदेश साहित्य परिषद्' की स्थापना वर्ष 1954 में हुई, इसका मुख्यालय भोपाल में है। अकादमी का उद्देश्य साहित्य के उन्नति और विकास में उत्प्रेरक का काम, साहित्यकारों का सम्मान तथा उनकी श्रेष्ठ कृतियों को पुरस्कृत करना है। परिषद् की गतिविधियों में पुरस्कारों की स्थापना एवं पुरस्करण, सम्मान समारोह, चर्चा, गोष्ठियाँ एवं प्रकाशन कार्य प्रमुख हैं।

- **उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत अकादमी**

  इसकी स्थापना अप्रैल 1979 में की गई। इसका प्रमुख कार्य प्रदेश तथा देश के शास्त्रीय संगीत के संरक्षण, संवर्धन और प्रोत्साहन हेतु सतत् प्रयास करना है। मध्यप्रदेश कला परिषद् में शामिल कर इसका नाम 'उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी' हो गया है। इस अकादमी की ग्वालियर में एक कला वीथिका भी है।

- **कालिदास अकादमी, उज्जैन**

  कालिदास अकादमी की स्थापना 1977 में उज्जैन में की गई। संस्कृत अकादमी की स्थापना सन् 1984 में भोपाल में हुई थी। अब दोनों को मिला दिया गया है।

  कालिदास अकादमी का मुख्य उद्देश्य कालिदास की रचनाओं के साथ संस्कृत के अन्य कवियों की रचनाओं पर शोध, अन्वेषण और अनुवाद कार्य है। संस्कृत की रचनाओं पर नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों के साथ

चित्र-प्रदर्शनियाँ, व्याख्यान एवं गोष्ठियाँ आयोजित करना भी अकादमी का उद्देश्य है। संस्कृत प्रभाग का मुख्य उद्देश्य संस्कृत साहित्य का अन्वेषण, प्रचार-प्रसार और संरक्षण है।

- **म.प्र. आदिवासी लोककला परिषद्**

आदिवासी लोककला परिषद् की स्थापना सन् 1980 में हुई। आदिवासी लोककला परिषद् का मुख्य कार्य आदिवासी और लोक संस्कृति, साहित्य और कला का सम्मान, प्रोत्साहन, संरक्षण और विस्तार करना है। विभिन्न आयोजनों के माध्यम से प्रदेश के कलाओं को स्तरीय मंच प्रदान करना है।

- **सिन्धी साहित्य अकादमी**

साहित्य अकादमी के अन्तर्गत वर्ष 1983 से एक सिन्धी साहित्य प्रभाग कार्यरत था। सिन्धी भाषा को समुचित संरक्षण और इस भाषा में रचना के लिए प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से वर्ष 2007 में पृथक् सिन्धी अकादमी स्थापित की गई है।

- **उर्दू अकादमी**

इस अकादमी की स्थापना 1976 में भोपाल में हुई। इसका मुख्य उद्देश्य उर्दू साहित्य के उन्नयन, प्रोत्साहन, संरक्षण व संवर्धन हेतु सतत् प्रयास करना व इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु आवश्यक कदम उठाना है।

- **हिन्दी ग्रन्थ अकादमी**

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की स्थापना उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत सन् 1969 में हुई। यह अकादमी विश्वविद्यालय-स्तरीय पुस्तकों का हिन्दी में प्रकाशन करती है।

- **भारत भवन**

राजधानी भोपाल में स्थित भारत भवन सांस्कृतिक गतिविधियों को संरक्षण देने वाला एक प्रमुख केन्द्र है। 13 फरवरी 1982 को भारत भवन, भोपाल की स्थापना सृजनात्मक कलाओं के विकास, प्रसार-प्रचार व प्रोत्साहन के लिए की गई। इस संस्था की स्थापना भारत भवन न्यास अधिनियम 1982 के अन्तर्गत की गई। इस भवन की डिजाइन प्रसिद्ध वस्तुविद् चार्ल्स कोरिया ने तैयार किया है। यह भवन विभिन्न खण्डों में विभक्त है जिनमें विभिन्न तरह की कलाओं से सम्बन्धित विभिन्न प्रभाग हैं इनमें रूपंकर, वागर्थ, अनहद, रंग मंडल आदि प्रमुख हैं। यहाँ प्रदर्शन हेतु अंतरंग तथा बहिरंग सभागार हैं।

- **सृजनपीठ**

प्रदेश के सांस्कृतिक विभाग के तत्त्वावधान में विभिन्न विश्वविद्यालयों में सृजनपीठ स्थापित किए गए हैं। सृजन पीठों की स्थापना का उद्देश्य कला तथा साहित्य के क्षेत्र में निरन्तर रचनात्मक तथा सृजनात्मक विकास को सम्भव बनाना है। साथ ही वरिष्ठ साहित्यकारों तथा नवोदित रचनाकारों के बीच रचनात्मक संवाद स्थापित करना है। इसके अन्तर्गत निराला सृजन पीठ, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, प्रेमचन्द्र सृजनपीठ विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, मुक्तिबोध सृजनपीठ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर आदि स्थापित की गई है। इन पीठों पर वरिष्ठ साहित्यकारों को पीठासीन करने की परम्परा है। इन सृजन पीठों की स्थापना के पीछे साहित्य और कला के निरंतर शोध एवं विकास का उद्देश्य है।

## सम्मान एवं पुरस्कार

मध्यप्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा साहित्य, संगीत एवं कला के संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए सम्मान और पुरस्कार दिए जाते हैं। सम्पूर्ण भारत में इन प्रतिष्ठापूर्ण पुरस्कारों की एक अलग पहचान और गरिमा है।

### राष्ट्र-स्तरीय सम्मान

| क्र. | सम्मान | विधा, जिसके लिए सम्मान दिया जाता है |
|---|---|---|
| 1. | तानसेन सम्मान | शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में। |
| 2. | कालिदास सम्मान (शास्त्रीय संगीत) | शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में। |
| 3. | कालिदास सम्मान (शास्त्रीय नृत्य) | शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में। |
| 4. | कालिदास सम्मान (रंगकर्म) | रंगकर्म के क्षेत्र में। |
| 5. | कालिदास सम्मान (रूपंकर कलाएँ) | रूपंकर कलाओं के क्षेत्र में। |
| 6. | तुलसी सम्मान | लोक व पारम्परिक कलाओं के क्षेत्र में। |
| 7. | लता मंगेशकर सम्मान | सुगम संगीत के क्षेत्र में संगीतकार व गायक को। |
| 8. | इकबाल सम्मान | उर्दू साहित्य में रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में। |
| 9. | मैथिलीशरण गुप्त सम्मान | हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में। |
| 10. | देवी अहिल्या बाई सम्मान | विशेष क्षेत्र। |
| 11. | किशोर कुमार सम्मान | फिल्म व संगीत। |
| 12. | कुमार गंधर्व सम्मान | शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में गायन व वादन हेतु युवा कलाकार। |
| 13. | शरद जोशी सम्मान | हिन्दी व्यंग्य व लेखन। |

### संस्कृति के क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित राज्यस्तरीय सम्मान

| क्र. | सम्मान | विधा, जिसके लिए सम्मान दिया जाता है |
|---|---|---|
| 1. | शिखर सम्मान (साहित्य) | साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य हेतु। |
| 2. | शिखर सम्मान (प्रदर्शनकारी कलाएँ) | संगीत, रंगमंच, नृत्य व लोककलाओं के क्षेत्र में। |
| 3. | शिखर सम्मान (रूपंकर कलाएँ) | रूपंकर कलाओं के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य हेतु। |

### प्रादेशिक पुरस्कार

| क्र. | सम्मान | क्षेत्र |
|---|---|---|
| 1. | माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार | कविता |
| 2. | बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' पुरस्कार | गीत प्रबन्ध |
| 3. | सुभद्राकुमारी चौहन पुरस्कार | कहानी |
| 4. | हरिकृष्ण प्रेमी पुरस्कार | नाटक एवं एकांकी |
| 5. | दुष्यन्त कुमार पुरस्कार | 35 वर्ष से कम आयु के लेखक/लेखिका की प्रथम कृति |
| 6. | ईसुरी पुरस्कार | लोक-भाषा कृति |
| 7. | रविशंकर शुक्ल पुरस्कार | बाल साहित्य (12 वर्ष तक के बच्चों हेतु) |

## अभ्यास प्रश्न

1. मध्यप्रदेश की साहित्यिक संस्थाओं का वर्णन कीजिए।
2. प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर के कौन-कौन से सम्मान दिए जाते हैं, लिखिए।
3. भारत भवन का वर्णन कीजिए।
4. प्रदेश में स्थापित सृजनपीठ कौन-कौन सी हैं, लिखिए।
5. मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद् के कार्य लिखिए।